Est

Chapter 3

Hindi Interlinear

Reference: Hindi Easy-to-Read Version

1

הַמְּדָתָא	בֶּן־	הָמָן	אֶת־	אֲחַשְׁוֵרוֹשׁ	הַמֶּלֶךְ	גִּדַּל	הָאֱלֶה	הַדְּבָרִים	וְאַחַר
हम्मदाता-का	पुत्र	हामान	को	अहश्वेरोश-ने	राजा	बढ़ाया	ये	बातें	इन-बातों-के-बाद
H4099		H2001	H0853	H0325	H4428	H1431	H0428	H1697	

אִתּוֹ׃	אֲשֶׁר	הַשָּׂרִים	כֹּל־	מֵעַל	כִּסְאוֹ	אֶת־	וַיְשֶׂם	וַיְנַשְּׂאֵהוּ	הָאֲגָגִי
उसके-साथ-थे	जो	हाकिमों-से	सब	ऊपर	उसकी-कुर्सी	को	और-रखा	और-उसे-उच्चा-किया	अगागी-को
H0854		H8269	H3605		H3678	H0853		H5375	H0091

इन बातों के घटने के बाद महाराजा क्षयर्ष ने हामान का सम्मान किया। हामान अगागी हम्मदाता नाम के व्यक्ति का पुत्र था। महाराजा ने हामान की पदोन्नति कर दी और उसे दूसरे मुखियाओं से अधिक बड़ा, महत्वपूर्ण और आदर का पद दे दिया।

2

כִּי־	לְהָמָן	וּמִשְׁתַּחֲוִים	כֹּרְעִים	הַמֶּלֶךְ	בְּשַׁעַר	אֲשֶׁר־	הַמֶּלֶךְ	עַבְדֵי	וְכָל־
क्योंकि	हामान-को	और-प्रणाम-करते-थे	झुकते-थे	राजा-के	फाटक-में-थे	जो	राजा-के	सेवक	और-सब
	H2001	H7812	H3766	H4428	H8179		H4428	H5650	H3605

יִשְׁתַּחֲוֶה׃	וְלֹא	יִכְרַע	לֹא	וּמָרְדֳּכַי	הַמֶּלֶךְ	לוֹ	צִוָּה־	כֵּן
प्रणाम-करता-था	और-न	झुकता-था	नहीं	परन्तु-मर्दकै	राजा-ने	उसके-विषय-में	आज्ञा-दी-थी	ऐसा
H7812	H3808	H3766	H3808	H4782	H4428		H6680	

राजा के द्वार पर महाराजा के सभी मुखिया हामान के आगे झुक कर उसे आदर देने लगे। वे महाराजा की आज्ञा के अनुसार ही ऐसा किया करते थे। किन्तु मोर्दकै ने हामान के आगे झुकने अथवा उसे आदर देने को मना कर दिया।

3

עֹבֵר	אַתָּה	מַדּוּעַ	לְמָרְדֳּכַי	הַמֶּלֶךְ	בְּשַׁעַר	אֲשֶׁר־	הַמֶּלֶךְ	עַבְדֵי	וַיֹּאמְרוּ
उल्लंघन-करता-है	तू	क्यों	मर्दकै-से	राजा-के	फाटक-में-थे	जो	राजा-के	सेवकों-ने	और-कहा
		H4069	H4782	H4428	H8179		H4428	H5650	H0559

הַמֶּלֶךְ׃	מִצְוַת	אֶת	
राजा-की	आज्ञा	को	
H4428	H4687	H0853	

इस पर राजा के द्वार के अधिकारियों ने मोर्दकै से पूछा, “तुम हामान के आगे झुकने की अब महाराजा की आज्ञा का पालन क्यों नहीं करते?”

4

אֲלֵיהֶם	שָׁמַע	וְלֹא	וְיוֹם	יוֹם	אֵלָיו	כְּאָמְרָם)	באמרם]	וַיְהִי	
उनकी	वह-सुनता-था	और-नहीं	और-प्रतिदिन	दिन	उससे	जब-वे-कहते-थे	जब-वे-कहते-थे	और-ऐसा-हुआ	
H0413	H8085	H3808	H3117	H3117	H0413	H0559	H0559	H1961	

לָהֶם	הִגִּיד	כִּי־	מָרְדֳּכַי	דִּבְרֵי	הֲיַעַמְדוּ	לִרְאוֹת	לְהָמָן	וַיַּגִּידוּ	
उन्हें	मर्दकै-ने-बताया-था	क्योंकि	मर्दकै-की	बातें	क्या-टिकेंगी	देखने-के-लिए	हामान-को	तब-उन्होंने-बताया	
H1992	H5046		H4782	H1697	H5975	H7200	H2001	H5046	

יְהוּדִי׃	הוּא	אֲשֶׁר־	
यहूदी	वह-था	कि	
H3064	H1931		

राजा के वे अधिकारी प्रतिदिन मोर्दकै से ऐसा कहते रहे। किन्तु वह हामान के आगे झुकने के आदेश को मानने से इन्कार करता रहा। सो उन अधिकारियों ने हामान से इसके बारे में बता दिया। वे ये देखना चाहते थे कि हामान मोर्दकै का क्या करता है मोर्दकै ने उन अधिकारियों को बता दिया था कि वह एक यहूदी था।

הָמָן	וַיִּמָּלֵא	לוֹ	וּמִשְׁתַּחֲוֶה	כֹּרֵעַ	מָרְדֳּכָי	אֵין	כִּי־	הָמָן	וַיַּרְא		5
हामान	और-भर-गया	उसे	या-प्रणाम-करता-था	झुकता-था	मर्दकै	नहीं	कि	हामान-ने	और-जब-देखा		
H2001	H4390		H7812	H3766	H4782	H0369		H2001	H7200		

חֵמָה׃
क्रोध-से
H2534

हामान ने जब यह देखा कि मोर्दकै ने उसके आगे झुकने और उसे आदर देने को मना कर दिया है तो उसे बहुत क्रोध आया।

מָרְדֳּכָי	עִם	אֶת־	לוֹ	הִנִּידוּ	כִּי־	לְבַדּוֹ	בְּמָרְדֳּכָי	יָדְ	לִשְׁלֹחַ	בְּעֵינָיו	וַיִּבֶז		6
—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—		
H4782		H0853		H5046			H4782	H3027	H7971		H0959		

עַם	אֲחַשְׁוֵרוֹשׁ	מַלְכוּת	בְּכָל־	אֲשֶׁר	הַיְּהוּדִים	כָּל־	אֶת־	לְהַשְׁמִיד	הָמָן	וַיְבַקֵּשׁ	
लोगों-को	अहश्वेरोश-के	राज्य	समस्त	जो-थे	यहूदियों-को	सब	—	—	—	—	
	H0325	H4438	H3605		H3064	H3605	H0853	H8045	H2001	H1245	

מָרְדֳּכָי׃
मर्दकै-के
H4782

हामान को यह पता तो चल ही चुका था कि मोर्दकै एक यहूदी है। किन्तु वह मोर्दकै की हत्या मात्र से संतुष्ट होने वाला नहीं था। हामान तो यह भी चाहता था कि वह कोई एक ऐसा रास्ता ढूंढ निकाले जिससे क्षयर्ष के समूचे राज्य के उन सभी यहूदियों को मार डाले जो मोर्दकै के लोग हैं।

												7
הַפּוּר	אֲחַשְׁוֵרוֹשׁ	לַמֶּלֶךְ	עֶשְׂרֵה	שְׁתֵּים	בִּשְׁנַת	נִיסָן	חֹדֶשׁ	הוּא־	הָרִאשׁוֹן	בַּחֹדֶשׁ		
उन्होंने-डाला	अहश्वेरोश-के	राजा	और-दो	बारहवें	वर्ष-में	नीसान-का	महीना	जो-है	पहले	महीने-में		
H5307	H0325	H4428	H6240	H8147	H8141	H5212	H2320	H1931	H7223	H2320		

לְחֹדֶשׁ	וּמֵחֹדֶשׁ	לְיוֹם	וּמִיּוֹם	הָמָן	לִפְנֵי	הַגּוֹרָל	הוּא	פּוּר			
महीने-तक-तक-आया	और-महीने-से	दिन-निर्धारित-करने-के-लिए	दिनों-से	हामान	के-सामने	चिट्ठी	अर्थात	पूर			
H2320	H2320	H3117	H3117	H2001	H6440	H1486	H1931	H6332			

ס	אֲדָר׃	חֹדֶשׁ	הוּא־	עָשָׂר	שְׁנֵים־	
स	अदार-का	महीना	जो-है	और-दो-महीना	बारहवाँ	
	H0143	H2320	H1931	H6240	H8147	

महाराजा क्षयर्ष के राज्य के बारहवें वर्ष में नीसान नाम के पहले महीनें में विशेष दिन और विशेष महीने चुनने के लिये हामान ने पासे फेंके और इस तरह अदार नाम का बारहवाँ महीना चुन लिया गया। (उन दिनों लाटरी निकालने के ये पासे, “पुर” कहलाया करते थे।)

											8
הָעַמִּים	בֵּין	וּמְפֻזָּר	מְפֹרָד	אֶחָד	עַם־	יֶשְׁנוֹ	אֲחַשְׁוֵרוֹשׁ	לַמֶּלֶךְ	הָמָן	וַיֹּאמֶר	
लोगों-के	बीच	और-फैले-हुए	बिखरे-हुए	एक	लोग	एक-है	अहश्वेरोश	राजा-से	हामान-ने	और-कहा	
	H0996	H6504	H6340	H0259		H3426	H0325	H4428	H2001	H0559	

הַמֶּלֶךְ	דָּתֶי	וְאֶת־	עָם	מִכָּל־	שֹׁנוֹת	וְדָתֵיהֶם	מַלְכוּתֶךָ	מְדִינוֹת	בְּכָל		
राजा-की	व्यवस्थाएँ	और	दूसरे-लोगों-से	सब-से	अलग-हैं	और-उनकी-व्यवस्थाएँ	आपके-राज्य-के	प्रान्तों-में	सब		
H4428	H1881	H0853		H3605		H1881	H4438	H4082	H3605		

לְהַנִּיחָם׃	שֹׁוֶה	אֵין־	וְלַמֶּלֶךְ	עֹשִׂים	אֵינָם	
उन्हें-रहने-देना	उचित	नहीं-है	इसलिए-राजा-के-लिए	मानते	वे-नहीं	
H3240		H0369	H4428		H0369	

फिर हामान महाराजा क्षयर्ष के पास आया और उससे बोला, “हे महाराजा क्षयर्ष तुम्हारे राज्य के हर प्रान्त में लोगों के बीच एक विशेष समूह के लोग फैले हुए हैं। ये लोग अपने आप को दूसरे लोगों से अलग रखते हैं। इन लोगों के रीतिरिवाज भी दूसरे लोगों से अलग हैं और ये लोग राजा के नियमों का पालन भी नहीं करते हैं। ऐसे लोगों को अपने राज्य में रखने की अनुमति देना महाराज के लिये अच्छा नहीं हैं।

											9
כִּכַּר־	אֲלָפִים	וַעֲשֶׂרֶת	לְאַבְּדָם	יִכָּתֵב	טוֹב	הַמֶּלֶךְ	עַל־	אִם־			
किक्कार	हज़ार	और-दस	कि-वे-नाश-किए-जाएं	लिखा-जाए-आज्ञा	अच्छा-लगे	राजा-को	पर	यदि			
H3603	H0505	H6235	H0006	H3789	H2895	H4428					

הַמֶּלֶךְ׃	גִּנְזֵי	אֶל־	לְהָבִיא	הַמְלָאכָה	עֹשֵׂי	יְדֵי	עַל־	אֶשְׁקוֹל	כֶּסֶף	
राजा-के	खज़ानों	में	लाने-के-लिए	काम	जो-करते-हैं	हाथों	में	मैं-दूँगा	चाँदी-के	
H4428	H1595	H0413	H0935	H4399		H3027		H8254	H3701	

“यदि महाराज को अच्छा लगे तो मेरे पास एक सुझाव है: उन लोगों को नष्ट कर डालने के लिये आज्ञा दी जाये। इसके लिये मैं महाराज के कोष में दस हजार चाँदी के सिक्के जमा कर दूँगा। यह धन उन लोगों को भुगतान के लिये होगा जो इस काम को करेंगे।”

10

וַיָּ֧סַר	הַמֶּ֛לֶךְ	אֶת־	טַבַּעְתּ֖וֹ	מֵעַ֣ל	יָד֑וֹ	וַֽיִּתְּנָ֗הּ	לְהָמָ֛ן	בֶּן־
तब-उतारी	राजा-ने	को	अपनी-मुद्रिका-की-अंगूठी	से	अपने-हाथ	और-उसे-दी	हामान-को	पुत्र
H5493	H4428	H0853	H2885		H3027	H5414	H2001	

הַמְּדָ֥תָא	הָאֲגָגִ֖י	צֹרֵ֣ר	הַיְּהוּדִֽים׃
हम्मदाता-के	अगागी	शत्रु	यहूदियों-के
H4099	H0091		H3064

इस प्रकार महाराजा ने राजकीय अंगूठी अपनी अंगुली से निकाली और उसे हामान को सौंप दिया। हामान अगागी हम्मदाता का पुत्र था। वह यहूदियों का शत्रु था।

11

וַיֹּ֤אמֶר	הַמֶּ֙לֶךְ֙	לְהָמָ֔ן	הַכֶּ֖סֶף	נָת֣וּן	לָ֑ךְ	וְהָעָ֕ם	לַעֲשׂ֥וֹת	בּ֖וֹ	כַּטּ֥וֹב	בְּעֵינֶֽיךָ׃
—	—	—	—	—	—	—	करने-के-लिए	उनके-साथ	जैसा-अच्छा-लगे	तुझे
H0559	H4428	H2001	H3701	H5414						

इसके बाद महाराजा ने हामान से कहा, “यह धन अपने पास रखो और उन लोगों के साथ जो चाहते हो, करो।”

12

וַיִּקָּרְאוּ֩	סֹפְרֵ֨י	הַמֶּ֜לֶךְ	בַּחֹ֣דֶשׁ	הָרִאשׁ֗וֹן	בִּשְׁלוֹשָׁ֨ה	עָשָׂ֣ר	יוֹם֮	בּוֹ֒	וַיִּכָּתֵ֣ב
और-बुलाए-गए	लेखक	राजा-के	महीने-के	पहले	तेरहवें	और-दस	दिन-को	उसमें	और-आज्ञा-लिखी-गई
H7121		H4428	H2320	H7223	H7969	H6240	H3117		H3789

כְּכָל־	אֲשֶׁר־	צִוָּ֣ה	הָמָ֡ן	אֶ֣ל	אֲחַשְׁדַּרְפְּנֵֽי־	הַ֠מֶּלֶךְ	וְאֶל־	הַפַּח֞וֹת	אֲשֶׁ֣ר׀
सब-के-अनुसार	जो	आज्ञा-दी-थी	हामान-ने	को	क्षत्रपों	राजा-के	और-को	राज्यपालों	जो
H3605		H6680	H2001	H0413	H0323	H4428	H0413	H6346	

עַל־	מְדִינָ֣ה	וּמְדִינָ֗ה	וְאֶל־	שָׂרֵ֨י	עַ֤ם	וָעָם֙	מְדִינָ֤ה	וּמְדִינָה֙
पर-थे	प्रत्येक-प्रान्त	और-प्रत्येक-प्रान्त-के	और-को	हाकिमों	के	और-सब-लोगों-के	प्रत्येक	और-प्रत्येक-प्रान्त-को
	H4082	H4082	H0413	H8269			H4082	H4082

כִּכְתָבָ֔הּ	וְעַ֥ם	וָעָ֖ם	כִּלְשׁוֹנ֑וֹ	בְּשֵׁ֨ם	הַמֶּ֤לֶךְ	אֲחַשְׁוֵרֹשׁ֙	נִכְתָּ֔ב
उसकी-लिपि-के-अनुसार	और	प्रत्येक-लोगों-को	उनकी-भाषा-में	नाम-से	राजा	अहश्वेरोश-के	लिखी-गई
H3791			H3956	H8034	H4428	H0325	H3789

וְנֶחְתָּ֖ם	בְּטַבַּ֥עַת	הַמֶּֽלֶךְ׃
और-मुहर-लगी	मुद्रिका-की-अंगूठी-से	राजा-की
H2856	H2885	H4428

फिर उस पहले महीने के तेरहवें दिन महाराजा के सचिवों को बुलाया गया। उन्होंने हामान के सभी आदेशों को हर प्रांत की लिपि और विभिन्न लोगों की भाषा में अलग—अलग लिख दिया। साथ ही उन्होंने उन आदेशों को प्रत्येक कबीले के लोगों की भाषा में भी लिख दिया। उन्होंने राजा के मुखियाओं विभिन्न प्रांतो के राज्यपालों अलग अलग कबीलों के मुखियाओं के नाम पत्र लिख दिये। ये पत्र उन्होंने स्वयं महाराजा क्षयर्ष की ओर से लिखे थे और आदेशों को स्वयं महाराजा की अपनी अंगूठी से अंकित किया गया था।

13

וְנִשְׁלוֹחַ֩	סְפָרִ֨ים	בְּיַ֣ד	הָרָצִים֮	אֶל־	כָּל־	מְדִינ֣וֹת	הַמֶּלֶךְ֒	לְהַשְׁמִ֡יד	לַהֲרֹ֣ג
और-भेजे-गए	पत्र	द्वारा	दूतों-के	में	सब	प्रान्तों-में	राजा-के	नाश-करने-के-लिए	मारने-के-लिए
H7971		H3027	H7323	H0413	H3605	H4082	H4428	H8045	H2026

וּלְאַבֵּ֣ד	אֶת־	כָּל־	הַ֠יְּהוּדִים	מִנַּ֨עַר	וְעַד־	זָקֵ֜ן	טַ֤ף	וְנָשִׁים֙	בְּי֣וֹם	אֶחָ֔ד
और-मिटाने-के-लिए	को	सब	यहूदियों-को	जवान-से	और-तक	बूढ़े	छोटे-बच्चे	और-स्त्रियाँ	दिन-में	एक
H0006	H0853	H3605	H3064	H5288	H5704	H2205	H2945	H0802	H3117	H0259

בִּשְׁלוֹשָׁ֥ה	עָשָׂ֛ר	לְחֹ֥דֶשׁ	שְׁנֵים־	עָשָׂ֖ר	הוּא־	חֹ֣דֶשׁ	אֲדָ֑ר	וּשְׁלָלָ֖ם	לָבֽוֹז׃
तेरहवें	और-दस	को	बारहवें	और-दो-महीने	जो-है	महीना	अदार-का	और-लूटें	उनकी-संपत्ति-को
H7969	H6240	H2320	H8147	H6240	H1931	H2320	H0143	H7998	H0962

संदेशवाहक राजा के विभिन्न प्रांतों में उन पत्रों को ले गये। इन पत्रों में सभी यहूदियों के सम्पूर्ण विनाश, हत्या और बर्बादी के राज्यादेश थे। इसका आशा था कि युवा, वृद्ध, स्त्रियाँ और नन्हें बच्चे तक समाप्त कर दिये जायें। आज्ञा यह थी कि सभी यहूदियों को बस एक ही दिन मौत के घाट उतार दिया जाये। वह दिन था अदार नाम के बारहवें महीने की तेरहवीं तारीख़ को था और यह आदेश भी दिया गया था कि यहूदियों के पास जो कुछ भी हो, उसे ले लिया जाये।

14

נִגְלוּ	וּמְדִינָה	מְדִינָה	בְּכָל־	דָּת	לְהִנָּתֵן	הַכְּתָב	פַּתְשֶׁגֶן
प्रकाशित-होते-हुए	और-प्रान्त-में	प्रान्त	प्रत्येक	व्यवस्था-के-रूप-में	जारी-की-जानी-थी	दस्तावेज़-की	प्रतिलिपि
H1540	H4082	H4082	H3605	H1881	H5414	H3791	

הַזֶּה׃	לַיּוֹם	עֲתִדִים	לִהְיוֹת	הָעַמִּים	לְכָל־
इस	उस-दिन-के-लिए	तैयार	कि-वे-हों	लोगों-के-लिए	सब
H2088	H3117	H6264	H1961		H3605

इन पत्रों की प्रतियाँ उस आदेश के साथ एक नियम के रूप में दी जानी थीं। हर प्रांत में इसे एक नियम बनाया जाना था। राज्य में बसी प्रत्येक जाति के लोगों में इसकी घोषणा की जानी थी, ताकि वे सभी लोग उस दिन के लिये तैयार रहें।

15

וְהַמֶּלֶךְ	הַבִּירָה	בְּשׁוּשַׁן	נִתְּנָה	וְהַדָּת	הַמֶּלֶךְ	בִּדְבַר	דְּחוּפִים	יָצְאוּ	הָרָצִים
तब-राजा	राजधानी	शूशन-में	घोषित-की-गई	और-आज्ञा	राजा-की	आज्ञा-से	जल्दी-से	निकले	दूत
H4428	H1002	H7800	H5414	H1881	H4428	H1697	H1765	H3318	H7323

פ	נָבוֹכָה׃	שׁוּשַׁן	וְהָעִיר	לִשְׁתּוֹת	יָשְׁבוּ	וְהָמָן
प	घबराहट-में-था	शूशन-का	परन्तु-नगर	पीने-के-लिए	बैठ-गए	और-हामान
	H0943	H7800		H8354	H3427	H2001

महाराजा की आज्ञा से संदेश वाहक तुरन्त चल दिये। राजधानी नगरी शूशन में यह आज्ञा दे दी गयी। महाराजा और हामान तो दाखमधु पीने के लिए बैठ गये किन्तु शूशन नगर में घबराहट फैल गयी।